आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 8 • अंक-2269 • उदयपुर, गुरुवार 11 मार्च, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

कोरोना से बचाव के लिए फिजिकल डिस्टैंसिंग का उल्लंघन होने पर अलर्ट करेगी ये डिवाइस

बीते कुछ दिनों में देश के कुछ राज्यों में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में फिजिकल डिस्टैंसिंग और मास्क एक बार फिर सबसे अहम हो गए हैं। इसका पालन करके ही कोरोना का पूर्ण तौर पर खात्मा किया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), भोपाल ने एक मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया है, जो फिजिकल डिस्टेंसिंग को मेंटेन करने में मददगार है।

आईआईएसईआर द्वारा बनाए गए क्राउड एंड मास्क मॉनिटरिंग सिस्टम से भीड़ का प्रबंधन करने के साथ–साथ मॉनिटरिंग करने में भी मदद मिलेगी। डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए आईआईएसईआर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस विभाग के डॉ पी. बी. सुजीत ने बताया कि हम एक साधारण एडवाइजरी सिस्टम बनाना चाहते थे, जो छात्रों को फिजिकल डिस्टैंसिंग के नियमों का उल्लंघन करने से रोके। इसके लिए हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का सहारा लिया। हमने डिवाइस में हाई डेफिनेशन कैमरा को कंप्यूटर माइक्रोचिप और पांच वोल्ट की बैटरी से अटैच किया। हमने इसका प्रयोग कैंपस में किया। जब कैमरा इस बात को पहचान लेता है कि फिजिकल डिस्टैंसिंग और मास्क के नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो वह भीड़ को पहले से रिकॉर्ड मैसेज के माध्यम से सचेत करने लगता है।

इस प्रयोग को हमने अक्तूबर, 2020 में शुरू किया था। इसमें हम लगातार बदलाव कर रहे हैं, ताकि अलर्ट को फुलप्रूफ बनाया जा सके। हमारी योजना है कि इसका ओपन सोर्स सिस्टम के साथ–साथ इसके इस्तेमाल से जुड़े ट्यूटोरियल को भी आम आदमी को सरल और साधारण तरीके से उपलब्ध कराया जाए, ताकि आम लोगों को इसका अधिक से अधिक फायदा मिले। आईआईएसईआर भोपाल की टीम का कहना है कि अगर मौका मिलता है तो इस डिवाइस को भीड़भाड़ वाली विभिन्न जगहों पर लगाया जाएगा, ताकि कोरोना के दौर में सुरक्षा नियमों की अनदेखी न हो।

अहमदाबाद–मुंबई हाईस्पीड कॉरिडोर पर बनेंगे 28 पुल, लगेगा 70 हजार स्टील

अहमदाबाद– मुंबई हाईस्पीड (बुलेट ट्रेन) रेल कॉरिडोर पर 28 स्टील पुल बनेंगे, जिसमें करीब 70 हजार टन स्टील का उपयोग होगा। इसके लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्टील को खरीदा और निर्माण के लिए ठेका दे दिया है। ये स्टील पुल हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के रेलवे लाइनों, नदियों, राजमार्गों, तथा अन्य संरचनाओं के लिए बनेंगे।

इसके लिए 39 हजार करोड़ रूपए का अनुबंध लार्सन एंड टुब्रो–आइएचआई इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम (कंसोर्टियम) को दिया गया है। यह भारतीय और जापानी कंपनियों का एक कंसोर्टियम है। यह अनुमान है कि इन स्टील पुलों के निर्माण के लिए लगभग 70,000 टन स्टील का उपयोग होगा। ऐसा होने से भारतीय उद्योगों और उनकी संबद्ध आपूर्ति श्रृंखलाओं को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इन स्टील पुलों के निर्माण के लिए भारतीय स्टील उत्पादक, उच्च कोटि का इस्पाद प्रदान करेंगे। भारत के पहले हाई स्पीड रेली कॉरिडोर की इतनी बड़ी मांग को पूरा करने के लिए एनएचएसआरसीएल ने पहले इस्पाद उद्योगों को सतर्क कर दिया है। एनएचएसआरसीएल ने पहले से ही 64 फीसदी अहमदाबाद–मुंबई हाईस्पीड रेल संरेखण के सिविल निर्माण–कार्य के लिए ठेका दे दिया है। जिसमें पांच हाईस्पीड रेल स्टेशन बनेंगे, जो वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद एवं नडियाद और सूरत में ट्रेन डिपो और 350 मीटर की एक पर्वतीय सुरंग शामिल है।

508 किमी की लंबाई में से अहमदाबाद–मुबंई हाई–स्पीड रेल की अधिकतम दूरी को वायाडक्ट (खंभे) से कवर किया जाएगा जिसमें मुंबई के पास 21 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल नहीं है। कई स्थानों पर इस कॉरिडोर का वायाडक्ट (487 किलोमीटर) राष्ट्रीय राजमार्गो, समर्पित फ्रंट कॉरिडोर ट्रैक्स, भारतीय रेलवे टैक्स और नदियों पर होकर गुजरेगा। अधिकांश वायाडक्ट कंक्रीट से बनेंगे। हालांकि, जहां स्पान की आवश्यकता 60 मीटर से अधिक होगी, स्टील सुपरटस्ट्रक्चर की योजना बनाई गई है। स्टील के पुलों निर्माण में भारतीय कंपनियों को शामिल करने का निर्णय कुल मिलाकर, 28 पुलों का, 60 मीटर से 130 मीटर तक अलग–अलग स्पान के साथ, परियोजना के लिए निर्माण किया जाएगा। एक साथ सभी स्टील के पुलों की लंबाई लगभग 4.5 किमी होगी और उनके निर्माण मे 70,000 टन से अधिक इस्पात शामिल होगा।

सेवा–जगत्
सेवा पथ पर आपका नारायण सेवा संस्थान

राशन पाकर हर्षाया बाबूराव

दिवाली के दो दिवस पूर्व नारायण सेवा संस्थान से राशन सामग्री सहायता पाकर बाबूराव और परिजन बहुत प्रसन्न हुए और कहने लगे– संस्थान के द्वारा दिए गए दीये जलायेंगे और राशन से मीठा बनाकर दीपावली मनायेंगे। वडगांव– गंगाखेड़ (परभणी) निवासी 40 वर्षीय बाबूराव दोनों पांवों से दिव्यांग है।

पत्नी इंदुमती दोनों आंखों से रोशनीहीन है। इने 10 वर्ष की एक बेटी है। भीख मांगकर गुजारा करने वाले इस परिवार पर कोरोना का ऐसा संकट आया कि दैनिकचर्या के साथ दो जून रोटी खाना भी दूभर हो गया। पति–पत्नी और बेटी रोटी–रोटी की मोहताज हो गई। दिव्यांग दम्पती भूख से इतने सताये गए कि पल–पल उन्हें मृत्यु करीब नजर आने लगी।

ऐसे परिवार की जानकारी जैसे ही संस्थान की परभणी शाखा को मिली तो उसने मदद करनी शुरू की। दो माह से निरन्तर राशन पाकर परिवार बहुत प्रसन्न है। सहयोग करने वाले हाथों एवं दानवीरों का दिल से दुआ दे रहा है। दीपोत्सव के दिन शाखा संयोजिका मंजू जी दर्डा ने परिवार को मिठाई भेंटकर हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। आप द्वारा प्रेषित भोजन सामग्री सहयोग ऐसे गरीब दिव्यांग और मजदूर परिवारों का निवाला बन रहा है जिनकी आखिरी उम्मीद टूटने वाली थी, आपका सहयोग हजारों गरीब परिवारों के लिए खुशियों की सौगात है।

दिव्यांग भी कर सकते हैं बड़ा काम

आंकड़ों के लिहाज से भारत में करीब दो करोड़ लोग शरीर के किसी विशेष अंग से दिव्यांगता के शिकार हैं। दिव्यांगजनों को मानसिक सहयोग की जरूरत है। यदि समाज में सहयोग का वातावरण बने, लोग किसी दूसरे की शारीरिक कमजोरी का मजान उड़ाएं, तो आगे आने वाले दिनों में हमें सारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। समाज के इस वर्ग को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया जाये तो वे कोयला को हीरा भी बना सकते हैं। समाज में उन्हें अपनत्व–भरा वातावरण मिले तो वे इतिहास रच देंगे और रचते आएं हैं। एक दिव्यांग की जिंदगी काफी दुःखों भरी होती है। घर–परिवार वाले अगर मानसिक सहयोग न दें, तो व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। वैसे तो दिव्यांगों के पक्ष में हमारे देश में दर्जन भर कानून बनाए गए हैं, यहां तक कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी दिया गया है, परंतु ये सभी चीजें गौण हैं, जब तहम उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना बंद ना करें। वे भी तो मनुष्य हैं, इश्वयार और सम्मान के भूखे हैं। उन्हें भी समाज में आम लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है। उनके अंदर भी अपने माता–पिता, समाज व देश का नाम रोशन करने का सपना है। बस स्टॉप, सीढियों पर चढने–उतरने, पंक्तिबद्ध होते वक्त हमें यथासंभव उनकी सहायता करनी चाहिए।

आइए, एक ऐसा स्वच्छ माहौल तैयार करें, जहां उन्हें क्षणिक भी अनुभव ना हो कि उनके अंदर शारीरिक रूप से कुछ कमी भी है। नारायण सेवा संस्थान परिवार की अपील है कि दिव्यांगों का मजाक न उड़ाएं, उन्हें सहयोग दें। साथ ही उनका जीवन स्तर उपर उठाने में संस्थान के प्रकल्पों में मदद भेजकर स्वयं सहयोगी बनें... एक उदाहरण पेश करें अपने परिवार में... समाज में.... संस्कारों से...।

महाशिवरात्रि के अवसर पर सभी पाठकों व शुभचिन्तकों को हार्दिक शुभकामनायें....

भारत व भारत के बाहर संचालित संस्थान की शाखाएं

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9826648133 मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढोताल, जिला - जबलपुर (म.प्र.)

कोरबा
श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407 गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा (छ.ग.)

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान मो. 09981738805 गाँव एवं पोस्ट - इन्गोरिया, जिला - उज्जैन (म.प्र.) 456222

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल, श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद (हरियाणा)

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,म.-028847991 9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

शाहदरा शाखा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011 श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473 मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा,ईस्ट दिल्ली

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल,मो. 09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

अम्बाला केन्ट
श्री मुकुट बिहारी कपूर ,मो. 08929930548 मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट, अम्बाला कंन्ट-133001(हरियाणा)

जयपुर
श्री नन्द किशोर बजा,मो. 09828242497 5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत मो. 9166190962,कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, जिला अजमेर (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा,मो. 07014349307 31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड, कैथल

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम (म.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055 म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा, हरि.

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739 जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखणी, किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

पावोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल मो. 09419175813, 08082024587 ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा (ज.क.)

चुरु
श्री गोरधन शर्मा,मो. 9588913301,गाँव व पोस्ट - झांबदा, त. तारानगर, चुरू-331304 (राज.)

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना,मो. 09425050136 A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रॉसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड जिला - भोपाल (म.प्र.)

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,मो. 9887488393 'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पिटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भूपेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लॉडिज फैशन पॉइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर (राज.)

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल, मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मेन मार्केट, सुरियावां, जिला भदोही, (उ.प्र.)221306

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767 आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251 विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल (हरि.)

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला - बरेली- (उ.प्र.)

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141 C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड सदर थाना गली, हजारीबाग (झारखण्ड)

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

खरसिया
श्री बजरंग बंसल,मो.-09329817446 शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब शनि मन्दिर के पास,खरसिया (छ.ग.)

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो.-09419200395 गुरु आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मू-180001

नरवाना(हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग,मो.-09466442702, श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014 165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना,जीन्द

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657 कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा,मो. 09549503282 अंचल फाउण्ड्री, स्टेशन रोड, सुमेरपुर, पाली

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,मो. 9829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी चित्तौड़ रोड, बून्दी (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला,मो. 09812003662-3 68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009 श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

बालोद
श्री बाबुलाल संजयकुमार जैन मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा मो. 08899366480 1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

धनबाद(झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171 07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग (झारखण्ड)

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733 सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रॉस रोड,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्ट्रीयल कॉलोनी बरेली (उ.प्र.)

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द,मो.-09720890047 दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,मो.-09024749075, के.डी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया,बाग अलवर (राज.)

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030 गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बड़सर जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया ,मो. 09418061161 जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

झारखण्ड
श्री ओमिन्दर सिंह अग्गी,मो. 7992262641, 449, छोटकी मुरीय, नजदीक ज्ञा इन्स्टीट्यूट राजीव निर्माण रोड, बिजुलिया, रामगढ़ (झारखण्ड)

करनाल (हरियाणा)
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278 म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल (हरियाणा)

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

मुम्बई
श्री ललित लोहार,मो. 9529920088 श्री आनन्द सिंह,मो. 07073452174 एफ 1/3,हरि निकेतन सोसायटी, सीएचएस लि.,अपोजिट कपल 1 गैलेक्सी, गौरेगांव वेस्ट, मुम्बई

प्रयागराज
मो. 09351230393 म.न.-78/सी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003 (यू.पी.)

गुरुग्राम
श्री गणपत रावत,मो. 07023101162 हाउस नं.- 1936 जीम,गली नं.-10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ. कैम्प चौक,गुरुग्राम -122001

मेरठ
श्री मूलशंकर मेनारिया,मो. 8306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ (उ.प्र.) 250002

जबलपुर
श्री सुनील श्रीवास्तव, मो. 8306004832 296, दीक्षितपुरा, हरदौल मंदिर महात्मा गाँधी वार्ड, जबलपुर (म.प्र.) 482002

ग्वालियर
श्री मुकेश भटनागर, मो. 07412060406 41 ए ,न्यू शांति नगर,बिग्रेडी वॉशिंग होम के पीछे,नई सड़क,लश्कर,ग्वालियर (म.प्र.)474001

भोपाल
श्री जमनाशंकर मेनारिया 95299 20089,ए -846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, रायसेन रोड, भोपाल - 462023 (म.प्र.)

हिसार
श्री राम सिंह,मो. 7023003320,मकान न. 2249 , सेक्टर-14,हिसार (हरि.)125005

जयपुर,चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल मो. 8696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे,गणगौरी बाजार,जयपुर (राज.)

बैंगलोर
श्री खूबी लाल मेनारिया - मो. 9341200200 मकान नंबर 6/2, मुनीश्वर स्ट्रीट, साउथ इंडिया शॉपिंग मॉल के पीछे, महालक्ष्मी सर्किल बसवनगुड़ी,बैंगलुरु-560004

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम, मो.07073452176 म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

हरिद्वार
श्री विनोद लोहार,मो.-7849826189 हाउस नं- 2049/ए , होली मैंगज स्कूल के पास , गोविन्दपुरी, रानीपुर मोड़, हरिद्वार, उत्तराखण्ड

कोटा
श्री महेन्द्र जाटव मो. 8306004805, 3,273 गणेश तालाब , दादाबाड़ी, कोटा (राज.)324009

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास,मो. 09529920081 म.नं.-सी-13 सी, एस.टी. सोसायटी, टीबी हॉस्पीटल के सामने, गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

जनकपुरी, दिल्ली
श्री सत्यनारायण शर्मा मो. 7023101156 श्री राहुल भटनागर मो. 7023101167 सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

बीकानेर
श्री विशाल शर्मा मो. 8306004819 आरोग्य भवन, चौपड़ा कटला के पास, भारद्वाज डेयरी के सामने, रानी बाजार,बीकानेर-334001

झांसी
श्री राकेश शर्मा मो. 8306004804 हाउस नं.- 1806/2,नारायण बाग रोड, शिवाजी नगर तिराहा, होटल सीपी मिलेज के पास शिवाजी नगर, झांसी (यू.पी.) 284001

पटना
श्री सदीप भटनागर,मो. 07023101172 मकान नं.-23, किसान भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13 (बिहार)

लुधियाना
श्री मधुसूदन शर्मा,मो. 07023101153 30/30-ए, राम गली, नीलोफल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला,मो. 09529920093 17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

करनाल
श्री दिलीप मेघवाल, मो. 8306004815 हाउस न.1105 एफएफ, सेक्टर-4 करनाल (हरियाणा) 132001

फरीदाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़,मो. 8306004802 मकान न. 13 , सेक्टर -4 आर, फरीदाबाद- 121004

नागपुर
श्री हेमंत मेघवाल मो. 8306004806 प्लॉट नंबर 37, गोरले ले आउट,गोपाल नगर, दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

लखनऊ
श्री बद्री लाल शर्मा,मो. 09351230395 551/क/157 नियर कोला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ (उ.प्र.)

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082, 27, सम्राट टाउनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया

रोहिणी , दिल्ली
श्री प्रवंजन साहू मो. -08588835718 श्री चंद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719 नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली - 110085

जोधपुर
श्री सुरेन्द्र सिंह, मो. 8306004821 मेड़ती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर ,राज.-342001

अजमेर
श्री जमना लाल नगारची मो. 8306002896, शांति विला, खालसा पेट्रोल पम्प के पास, पर्वतपुरा, जयपुर रोड, अजमेर (राज.) 305002

कोलकाता
श्री प्रकाश याद मो. 09529920097, म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाउन कोलकाता-700089

कैथल, हरियाणा
श्री सतपाल मंगला मो. 9812003662 ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल, हरियाणा

नारायण दिव्यांग सहायता एवं निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जलनसिंह भाटी,मो.- 9999178555 श्री कृष्णावतार खंडेलवाल -7073452155 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

रायपुर
श्री भरत पालीवाल,मो. 7869916950 मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

अम्बाला
श्री राकेश शर्मा,मो. 07023101160 सविता शर्मा, 669, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

भायंदर (मुम्बई)
श्री मुकेश सेन, मो. 9529920090 ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

इन्दौर
श्री जसवंत मेनारिया,मो. 09529920087 जी 02, 19-20 सुचिता अपार्टमेंट शंकर नगर,नियर चंदू लोक चौराहा खजराना रोड, इंदौर-452018

मोदीनगर, यू.पी.
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने, मोदीनगर -201204

राजकोट
श्री लक्ष्मण नागदा,मो. 09529920083 भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 यूनिवर्सिटी रोड,राजकोट (गुजरात)

लोनी
श्री धर्मेश गर्ग, 9529920084 सम्पर्क : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693 श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (श्रीश्याम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

जयपुर
श्री हुकम सिंह,9928027946 बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गाजियाबाद (1)
श्री सुरेश गोयल,मो. 08588835716 184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कोतवालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी,मो. 09529920080 सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,नियर शाहीबाग, अण्डर ब्रीज के नीचे,शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज.)
3/28, गुजरात हाउसिंग सोसायटी नियर बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

शाहदरा, दिल्ली
श्री भंवर सिंह मो. 7073474435 बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

गाजियाबाद (2)
सुरेश कुमार गोयल -8588835716 श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत, 09573938038 लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

आगरा (उ.प्र.)
श्री राजमल शर्मा,मो. 7023101174 104बी, विमल वाटिका, कर्मयोगी एन्कलेव, कमलानगर, जैन मन्दिर के सामने वाली गली, आगरा (उ.प्र.)

हाथरस
श्री जे.पी.अग्रवाल -9453045748 श्री योगेश निगम मो. 7023101169 एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार,मो.-7023101163 77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169 एम.आई.जी. -48,विकास नगर आगरा रोड, अलीगढ़ (यू.पी)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी मो. 7023101175 साई लोक कॉलोनी,गांव कावंरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून पिनकोड -248007 (उत्तराखंड)

रतलाम
श्रीमती विमला मुखीजा निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर 24 विमल निवास ,स्ट्रीट नंबर 1, उजाला हॉटल के पीछे, स्टेशन रोड ,रतलाम (म.प्र.) पिन-457001

अंतहीन संभावनायें – दिव्यांगता मिटाने के लिये विभिन्नआयाम

WORLD OF HUMANITY का निर्माण प्रगति पर.........

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता मिटाने के विभिन्न आयाम

चिकित्सा
- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलीपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन
- हस्तकला या शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन मरम्मत प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजीटल स्कूल)

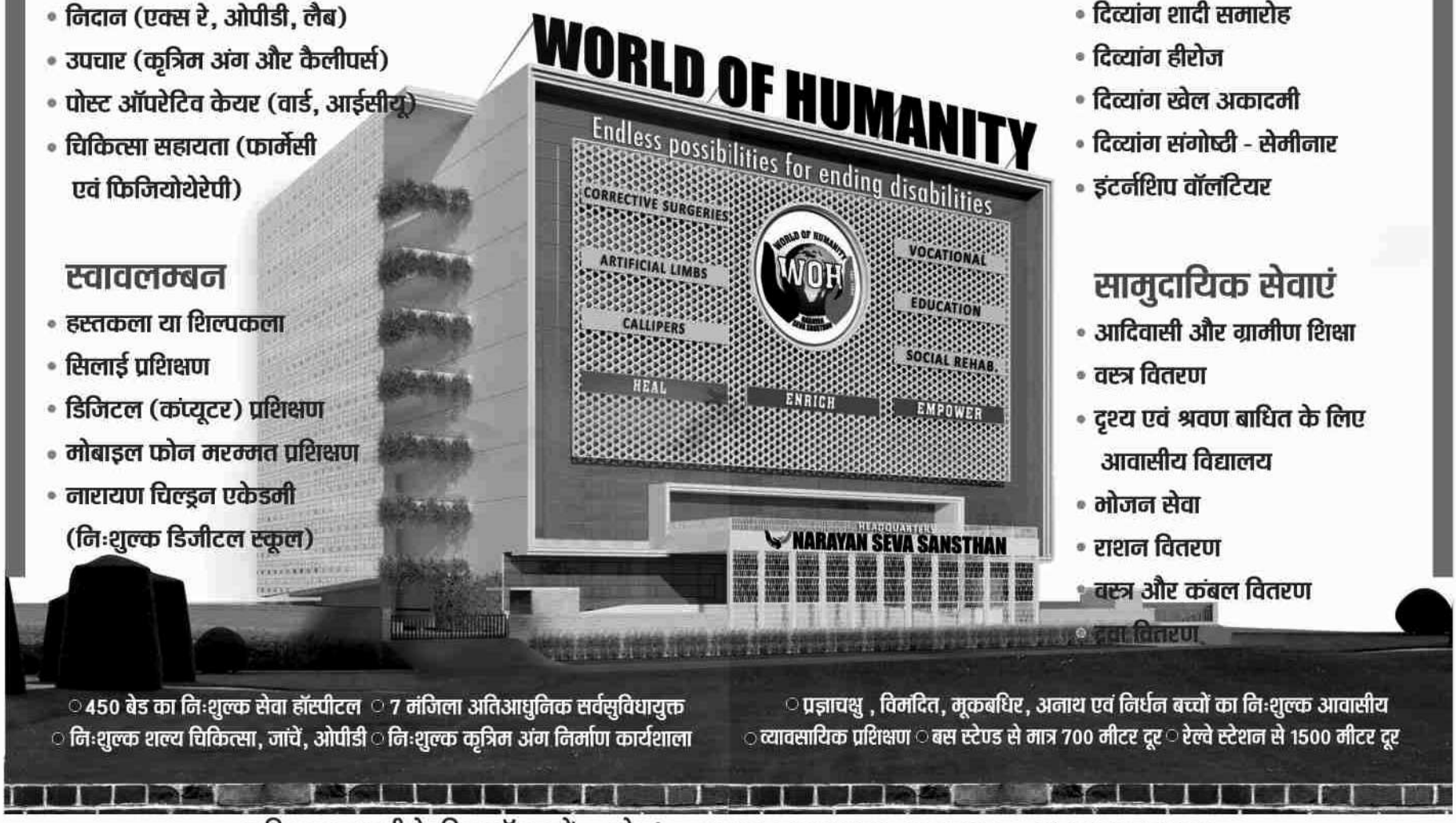

सशक्तिकरण
- दिव्यांग शादी समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमीनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं
- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

○450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल ○ 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
○ निःशुल्क शल्य चिकित्सा, जांचें, ओपीडी ○ निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

○ प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय
○ व्यावसायिक प्रशिक्षण ○ बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर ○ रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

सम्पादकीय

शिव जी को आदिदेव कहते हैं। इन्हें महादेव भी कहते हैं। इन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। आदिदेव इसलिये कि इनकी उत्पति का कोई अनुमान नहीं है। महादेव इसलिये कि इनकी महानता सर्वोपरि हैं। भोलेनाथ इसलिये कि शीघ्र रीझ जाते हैं। यह तो हुई धार्मिक मान्यता ।

शिव का अर्थ है कल्याण। कल्याण का भाव यानी शिव भाव। आज की दुनिया में कल्याण भाव का लोप होता चला जा रहा है। स्व के सोच के दायरे से व्यक्ति बाहर आये तब तो पर की सोचे जब पर की सोच का उदय होगा तभी तो कल्याण – भाव जागेगा।

मैं और मेरा यह तो स्वार्थ – भाव है। जहाँ स्वार्थ भी परार्थ में बदल जाता है वहीं से शिवत्व का शुभारंभ होता है। यो तो कंकर – कंकर में शिव की परिकल्पना की गई है। यानी कि हरेक रचना शिवत्व का ही प्रतीक है । तो मानव इस शिवत्व से वंचित होता सा क्यों लगता है?

हम अपने में इतने खो गये है कि शिव – भाव, कल्याण – भाव, परार्थ– भाव, शिथिल हो गया है। इसे पुनर्जागृत करना ही सही अर्थो में शिवरात्रि का प्रयोजन है। हम भी शिव को स्वयं में धारें , हरेक को कष्टों में उबारें।

कुछ काव्यमय

शिव जैसा स्वभाव बनालें
तो फिर कहां पीड़ित मानवता ?
शिव जैसे दानी बन जायें,
तो फिर कहां अभावी– सत्ता।
शिव – संकल्प साधना होगा,
तभी धरा पर सुख सरसेगा।
चारों ओर शांति व्यापेगी,
आनन्द हर आंगन बरसेगा।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

निर्माणाधीन 'डब्लूओएच' में करे सहयोग

1. डायग्नोसिस, सर्जरी, कृत्रिम लिम्ब, आईसीयु, पोस्ट ओपीडी, देखभाल एवं दवाइयां
2. दिव्यांग के लिए रोजगार प्रशिक्षण अकादमी
3. दिव्यांगों के लिए कला अकादमी।
4. भोजन सेवा।
5. दिव्यांगों, मरीजों के लिए आवास एवं भोजन कक्ष।
6. मरीजों एवं परिचारकों के लिए आवास।
7. मंथन एवं चितन/गुरूदेव विंग।
8. अतिथियों के लिए आवास और आतिथ्य ।
9. दान प्रबंधन और प्रशासन विंग।

अपनों से अपनी बात

भक्ति कौन कर सकता है

पुराने समय में एक व्यक्ति गुस्सा बहुत करता था। उसमें धैर्य की भी कमी थी। घर में छोटी–छोटी बातों पर वह क्लेश करने लगता था। घर में रोज वाद–विवाद होते थे, एक दिन दुखी होकर वह जंगल की ओर चल दिया।

जगंल में एक संत कुटिया बनाकर रह रहे थे। वह व्यक्ति संत के पास पहुंचा और बोला कि गुरुजी, मुझे आपका शिष्य बना लें। मुझे संन्यास लेना है। मैं मेरा घर–परिवार सब कुछ छोड़कर अब भक्ति करना चाहता हूं।

संत ने उससे पूछा कि पहले तुम ये बताओ कि क्या तुम्हें अपने घर में किसी से प्रेम है? व्यक्ति ने कहा कि नहीं, मैं अपने परिवार में किसी से प्रेम नहीं करता। मेरे घर में बात–बात पर झगड़े होते हैं। कोई मेरी बात नहीं मानता है।

संत ने कहा कि क्या तुम्हें अपने

माता–पिता, भाई–बहन, पत्नी और बच्चों में से किसी से भी लगाव नहीं है।

व्यक्ति ने कहा कि गुरुजी मेरे घर के सभी लोग स्वार्थी हैं। मुझे किसी से लगाव नहीं है, इसीलिए मैं सब कुछ छोड़कर संन्यास लेना चाहता हूं।

संत ने कहा कि तुम मुझे माफ करो। मैं तुम्हें संन्यासी नहीं बना सकता। तुम्हारा मन अशांत है, तुम गुस्सा करते हो, तुममें धैर्य नहीं है, संन्यासी वही बन सकता है, जिनमें ये बुराइयां नहीं होती हैं। मैं तुम्हारे अशांत मन को शांत नहीं कर सकता।

संत ने आगे कहा कि भाई अगर तुम्हें अपने परिवार से थोड़ा भी स्नेह होता तो मैं उसे और बढ़ा सकता था, अगर तुम अपने माता–पिता से प्रेम करते तो मैं इस प्रेम को बढ़ाकर तुम्हें भगवान की भक्ति में लगा सकता था, लेकिन गुस्सा की वजह से तुम्हारा मन बहुत कठोर हो गया है। एक छोटा सा बीज ही विशाल वृक्ष बनता है, लेकिन तुम्हारे मन में प्रेम और धैर्य का कोई भाव है ही नहीं।

व्यक्ति को संत की बातें समझ आ गईं। उसने संकल्प लिया कि अब से वह गुस्सा नहीं करेगा और धैर्य से काम लेगा। इसके बाद वह अपने परिवार में लौट गया। बदले स्वभाव की वजह से उसके परिवार में सबकुछ ठीक हो और उसका मन भक्ति में भी लगने लगा। जो लोग गुस्सा करते हैं, जिनमें धैर्य नहीं है, वे कभी भी भक्ति नहीं कर पाते हैं।

– कैलाश 'मानव'

आप अनमोल है

एक आदमी लोहे का काम करता था। एक दिन जब वह अपना काम कर रहा था तो उसके पास बैठे उसके बच्चे ने उससे पूछा –पापा! मनुष्य की क़ीमत कितनी है? उसके कहा कि बेटा मनुष्य की कीमत तो बहुत है।

बच्चे की जिज्ञासा यहीं शांत नहीं हुई, उसने पुनः प्रश्न किया–पापा! फिर एक आदमी अमीर और दूसरा गरीब क्यों है?

वह समझ गया कि बच्चा जिज्ञासु है, इसे विस्तार से समझाना पड़ेगा। उसने कहा–बेटा अन्दर से लोहे की रॉड लेकर आओ। बेटा भागकर जाता है, और अन्दर से रॉड लेकर आता है।

उसने पूछा–बेटा! यह लोहे की रॉड कितने की होगी? बच्चे ने कहा –200 रुपये की होगी।

पापा–अच्छा, अगर मैं इस रॉड के छोटे–छोटे टुकड़े करके इसकी कीलें बना दूँ तो इसकी कीलों की क़ीमत कितनी हो जायेगी?

बच्चा मन ही मन गणना करता है, और कहता है – लगभग 1000 रुपये हो जायेगी।

पापा– और अगर इसी लोहे का इस्तेमाल करके घड़ी के छोटे–छोटे स्प्रिंग्स बना दूँ तो कितनी कीमत हो जायेगी?

बच्चा–अगर इसके स्प्रिंग्स बना देंगे तो इसकी क़ीमत और भी बढ़ जायेगी।

उस पिता ने बच्चे को समझाते हुए कहा –बेटा ! इसी तरह मनुष्य की क़ीमत भी उसके गुणों से होती है। अगर लोहा ही बने रहोगे तो क़ीमत कम होगी, अगर अपने अंदर सुधार करके, योग्यता को बढ़ा कर, कील की तरह बनोगे तो क़ीमत और बढ़ जाएगी और अगर अपनी प्रतिभा का कौशल को और अधिक विकसित करके स्प्रिंग की तरह बनोगे तो और भी अधिक क़ीमत हो जाओगे। व्यक्ति के अन्दर जितने गुण होंगे, उसकी कीमत भी उतनी ही अधिक होगी। जितने कम गुण होंगे, उसकी क़ीमत भी उतनी ही कम होगी। अगर आपके अंदर दुर्गुण हैं तो आपकी क़ीमत कुछ भी नहीं और अगर भीतर सद्गुण हैं तो आप अनमोल हैं।

– सेवक प्रशान्त भैया

विचार देते हैं हौसला, समझदारी और शक्ति

दो तिनके एक नदी में गिर गए। दोनों एक ही हवा के झोंके से उड़कर एक ही साथ नदी तक आ पहुंचे थे। दोनों की परिस्थितियां समान थीं। परंतु दोनों की मानसिक स्थिति एक न थी। एक पानी में बह रहा था सुख–पूर्वक।

तैरने का आनंद लेते हुए, तो दूसरे को किनारे पर पहुंचने की जल्दी थी। वह बड़े प्रयास करता। पूरी ताकत लगाता, परंतु नदी के शक्तिशाली बहाव के आगे बेचारे तिनके की ताकत ही क्या थी। उसके सारे प्रयास व्यर्थ होते रहे। बहता तो वह उसी दिशा में रहा, जिस दिशा में नदी बह रही थी, परंतु पहले तिनके की तरह सुखपूर्वक नहीं, बल्कि दुखी मन से। कुछ आगे जाने पर नदी की धारा धीमी हुई। पहला तिनका दूसरे से बोला– आओ मित्र, अब प्रयास करने के लिए समय अनुकूल है। चलो, मिलकर कोशिश करें।

किनारे पर घास उगी है, जो नदी के बहाव को रोक भी रही है। थोड़ा प्रयास करने से हम अपनी दुनिया में पहुंच जाएंगे। परंतु दूसरा तिनका इतनी मेहनत कर चुका था कि वह थक गया था। वह आगे प्रयास न कर सका। परंतु पहला तिनका अपने मित्र को मुसीबत में छोड़कर किनारे नहीं गया। खुद को उससे उलझा दिया, जिससे तिनके की कुछ शक्ति बढ़ी। फिर जोर लगाया और एक लंबी घास को किसी तरह पकड़ लिया। कुछ देर सुस्ताने के बाद आखिरकार दोनों धीरे–धारे सूखे किनारे पर पहुंच ही गए।

पहला तिनका पुराने साथियों की मीठी यादों से खुश था। किनारे नए मित्रों के बीच प्रसन्न था। दूसरा तिनका अब भी अपने पुराने स्थान के साथी तिनकों से बिछड़ने के कारण उदास, डूबने की याद से परेशान और भीग जाने से दुखी था।

संस्थान से मिले अंग, पाया रोजगार

मैं किशन लाल भील, उम्र 36, अचलाना, उदयपुर का रहने वाला हूँ। आठवीं कक्षा उत्तीर्ण हूँ। मैंने सन् 1995 से बस कण्डक्टरी का कार्य करना चालू किया था। बस का रूट भीण्डर से बडी सादडी था। 22 मार्च 2000 को बस का एक्सीडेंट हो गया। उस हादसे में कानोड़ निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई एवं 22 लोग घायल हो गये। उस हादसे में मेरे दोनों पैर कट गये। वहां के स्थानीय लोगों ने मुझे महाराणा भूपाल चिकित्सालय उदयपुर में भर्ती करवाया। मेरे 4 ऑपरेशन हुए परन्तु सभी असफल रहे। फिर जिन्दगी बैसाखियों के सहारे चलने लगी। मेरे पैरों की स्थिति के कारण, हादसे के चार साल बाद नारायण सेवा संस्थान ने ऑटिफिशयल पैर लगाये गये, मैं बिना बैसाखियों के चलने लगा। परन्तु रोजगार के लायक नहीं था। जिसमें मैं अपने परिवारों का गुजारा कर सकूं मैंने संस्थान में आकर अपनी आपबीती सुनाई। संस्थान ने मेरे दुःख सुनकर मुझे रोजगार से जोड़ने के लिए चाय– नाश्ते का ठेला एवं आश्वयक सामग्री प्रदान की ताकि मैं अपने परिवार को भरण–पोषण कर सकूं। मैं संस्थान का बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

सभी रोगों की अचूक औषधि है हंसना

हंसिए और रोग दूर भगाइए, वह तो हम कई बार सुन चुके हैं पर इस पंक्ति मे कितनी सच्चाई है, इसको ढूंढने के लिए विशेषज्ञ नित्य नए शोधों मे लगे हुए हैं और अब तक बहुत से ऐसे शोध हो चुके हैं जो इस बात को प्रमाणित करते हैं कि हंसने और स्वास्थ्य के बीच गहरा संबध है।

हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार अगर व्यक्ति को एक बार हृदयाघात हुआ है और अगर वह प्रसन्नचित महसूस करता है तो उसे दुबारा हृदयाघात होने की संभावना कम होती है। उसे दवाइयों की जरूरत कम महसूस होती है और उसका रक्तचाप भी कम महसूस होती है और उसका रक्तचाप भी कम रहता है। यही नहीं हंसने से रक्त में स्टीरायड रसायनों का स्तरर भी कम होता है। इन स्टीरायड रसायनों का संबंध तनाव से होता है। हंसने से व्यक्ति के दर्द की सहने की क्षमता भी बढ़ती है, इसलिए हंसिए भी बढ़ती है, इसलिए हंसिए और स्वस्थ रहिए।

बहुत लाभ हैं नियमित व्यायाम से

नियमित व्यायाम करने से शरीर को तन्दुरस्त रखा जा सकता है। तन्दुरूस्ती के साथ–साथ कई बीमारियों को भी दूर रख सकते है।

- नियमित व्यायाम चयापचय दर बढ़ाता है। नियमित व्यायाम से मांसेपेशियां, हड्डियां और जोड़ मजबूत होते है।
- व्यायाम नियमित करने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है और शरीर सुडौल बनता है।
- लगातार व्यायाम से हृदय की कार्य प्रक्रिया ठीक रहती है और हृदय मजबूत होता है।
- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदयरोग और आर्थराइटिस जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है।
- नियमित व्यायाम करने से सहनशक्ति बढ़ती है।
- रोजाना व्यायाम करने से आप स्वयं को तनावमुक्त रख सकते हैं।
- नियमित व्यायाम शरीर को लचीला रखता है और शरीर सही आकार में रहता है।
- नियमित व्यायाम से भूख ठीक लगती है।
- व्यायाम शरीर में रक्त संचार ठीक बनाए रखता है। इससे त्वचा में चमक बनी रहती है और त्वचा में झुर्रियां जल्दी नहीं पड़ती।

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्धटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है

www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com

: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023